INDIAN NEW LIFE FELLOWSHIP®

क्लेश और न्याय की भविष्यवाणी (दानिय्येल 12)

ऐसा दुख तकलीफ आने वाला है जो संसार ने कभी नही देखा। मत्ती 24:21 इन क्लेशों मे वही बच सकते है, जिनका नाम पुस्तक मे है। (दानिय्येल 12:2, यूहन्ना 5:29) जो भला करें वह जीवन के पुनरूत्थान के लिए और जो बुरा करे वह दण्ड के पुनरूत्थान के लिए जी उठेंगे। दानिय्येल 12:3 मे बहुतों को परमेश्वर की ओर मोड़ने वाले तारों के समान है (नीति 11:30)। दानिय्येल 12:5,6 के जो प्रश्न है उसके अर्थ हम 7वें अध्याय मे देखते है। यह जरूर होगा करके दूत बताता है। यहाँ पर बताए गए पवित्र लोग इस्राएली है, क्योंकि परमेश्वर ने इन्हे बाकि लोगो से अलग करके अपनी निज प्रजा बनाया है(निर्गमन 19:6,व्यवस्था 7:6)।अब जो मसीह यीशु पर भरोसा रखते है वही पवित्र लोग है (1 पतरस 2:9,10) । दानिय्येल 12:9,10 यहाँ की भविष्यवाणी खास तौर पर युग के अंत की है। इस समय मे ज्ञानी लोग एक के बाद एक होने वाली घटनाओं को देखकर समझ लेंगे। अभी भी इन बातों को हम देख सकते है। इन अंतिम दिनों मे परमेश्वर जो कार्य कर रहा है, उसके व्दारा सृष्टिकर्ता के पुत्र यीशु मसीह को अपना उध्दारकर्ता करके स्वीकार कर रहे है। दानिय्येल 12:3 के अनुसार बहुतों कों सुसमाचार सुनाया जा रहा है। यीशु ही मुक्ति का मार्ग है। उसी ने ही हम सबके पापों का प्रायश्चित किया है। यीशु मसीह पर विश्वास करने वाले ही अनन्त जीवन के लिए जी उठेंगे (दानिय्येल 12:2)। यदि दुष्ट लोगों के विषय मे कहे तो उनकी दुष्टता ही उन्हें अंधा कर देगी (2 कुरि 4:4)। इसलिए वह ग्रहण नही करते। सच्चाई को ग्रहण करने वाला परीक्षा में स्थिर रहता है (दानिय्येल 11:35)। बलि को रोक देना (दानिय्येल 12:11), घृणित वस्तु का आना दानिय्येल 9:27,11:31 मे भी देखते है। मसीह विरोधी से आने वाला क्लेश का समय 1290 हो सकता है (दानिय्येल 12:11)। दानिय्येल 12:12 मे जो समय है वह क्लेशों मे स्थिर रहने वालों के लिए हो सकता है। इसलिए वहाँ लिखा है कि धन्य है वह जो अन्त तक धीरज रखते है। खास तौर पर इस पुस्तक के व्दारा ध्यान देने वाला विषय यह है कि हमारे भरोसे के पीछे एक प्रमाण है। इस संसार मे बिताने वाला समय किसी तरह का भी क्यों न हो यदि हम विश्वास से माँगे तो हमारी जरूरत के अनुसार ही प्रभु ज्ञान देगा । दानिय्येल 12:13 मे लिखा है तू अन्त तक ठहरे रह, तो विश्राम पाएगा। मतलब परमेश्वर के राज्य मे रहेगा। आमीन.....

दिसम्बर

दिये गए नियम के अनुसार पढ़ने से एक साल मे बाइबल पूरा होगा।

2020

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
25 - यीशु मसीह का जन्म दिन (क्रिसमस)		1 सुबह:2 पतरस:3 शाम:यहेज:40,41	2 सुबह:1 यूहन्ना:1 शाम:यहेज:42,43,44	3 सुबह:1 यूहन्ना:2 शाम:यहेज:45,46	4 सुबह:1 यूहन्ना:3 शाम:यहेज:47,48	5 सुबह:1 यूहन्ना:4 शाम:दानिय्येल:1,2
6 सुबह:1 यूहन्ना:5 शाम:दानिय्येल:3,4	7 सुबह:2 यूहन्ना शाम:दानिय्येल:5,6,7	8 सुबह:3 यूहन्ना शाम:दानिय्येल:8,9,10	9 सुबह:यहूदा शाम:दानिय्येल:11,12	10 सुबह:प्रकाशित:1 शाम:होशे:1,2,3,4	11 सुबह:प्रकाशित:2 शाम:होशे:5,6,7,8	12 सुबह:प्रकाशित:3 शाम:होशे:9,10,11
13 सुबह:प्रकाशित:4 शाम:होशे:12,13,14	14 सुबह:प्रकाशित:5 शाम:योएल	15 सुबह:प्रकाशित:6 शाम:आमोस:1,2,3	16 सुबह:प्रकाशित:7 शाम:आमोस:4,5,6	17 सुबह:प्रकाशित:8 शाम:आमोस:7,8,9	18 सुबह:प्रकाशित:9 शाम:ओबद्याह	19 सुबह:प्रकाशित:10 शाम:योना
20 सुबह:प्रकाशित:11 शाम:मीका:1,2,3	21 सुबह:प्रकाशित:12 शाम:मीका:4,5	22 सुबह:प्रकाशित:13 शाम:मीका:6,7	23 सुबह:प्रकाशित:14 शाम:नहूम	24 सुबह:प्रकाशित:15 शाम:हबक्कूक	25 सुबह:प्रकाशित:16 शाम:सपन्याह	26 सुबह:प्रकाशित:17 शाम:हाग्गै
27 सुबह:प्रकाशित:18 शाम:जकर्याह:1,2,3,4	28 सुबह:प्रकाशित:19 शाम:जकर्याह:5,6,7,8	29 सुबह:प्रकाशित:20 शाम:जकर्याह:9,10,,11,12	30 सुबह:प्रकाशित:21 शाम:जकर्याह:13,14	31 सुबह:प्रकाशित:22 शाम:मलाकी		

परमेश्वर की आराधना करने के तरीके

1. परमेश्वर का वचन पढ़ना और ध्यान करना ।
2. परमेश्वर के वचन का प्रचार करना और संदेश देना ।
3. परमेश्वर के नियम और आज्ञाओं को मानना ।
4. परमेश्वर को स्तुति रूपी बलि चढ़ाना ।
5. भजन करना और आत्मिक गीत गाना ।
6. शुक्रगुजारी की स्तुति चढ़ाना ।

परमेश्वर की आराधना करने के तरीके

7. प्रार्थना, विनती करना ।
8. परमेश्वर के पुत्र (यीशु) को स्वीकार करना ।
9. कलीसिया मे लगातार जाना ।
10. अपने शरीर को परमेश्वर के सामने जीवित बलि के तौर पर समर्पण करना ।
11. दूसरों की भलाई करना ।
12. हमारे पास जो है उसे परमेश्वर को अर्पण करना ।

इण्डियन न्यू लाईफ फैलोषिप

फेस-6, जि-49, आया नगर, नई दिल्ली-110047
Mob: 9650886752 /9818778189
Email:inlfchurch@gmail.com
Facebook.com/bhaskar rao gattupalli
web:www.inlfchurch.org

ब्रांचः बसंत गाँव, खजान् सिंह बिल्डिंग्, अग्रवाल शॉप के सामने, नई दिल्ली

24 घंटे चैन प्रेयर् - प्रेयर् मिनार (Mobile:9650886752)

INLF CHURCH PRAYER TIMINGS

रविवार आराधना - (1) वसंत गाँव (2) आयानगर - सुबह 10 से 1 तक
(3) पालम - शाम 7 से 9 तक

सण्डेस्कूल - (1) वसंत गाँव सुबह 11 से 12 तक (2) पालम - शाम 7 से 8 तक

दूसरा रविवार पाँव धोना - वसंत गाँव और आयानगर

हर मंगलवार	एन्ड्रोज गंज	शाम 7 से 9 तक	
हर बुधवार	नेपाली कैंप	शाम 7 से 9 तक	
हर गुरुवार	सरोजिनी नगर	शाम 7 से 9 तक	सेवक मीटिंग्
हर गुरुवार	एन्ड्रोज गंज	शाम 7 से 9 तक	यूत् मीटिंग्
हर शनिवार	सरोजिनी नगर	शाम 7 से 9 तक	चंगाई प्रार्थना
दूसरा शनिवार	आयानागर	शाम 7 से 9 तक	चंगाई प्रार्थना
1 शुक्रवार	जडेला गाँव	शाम 7 से 9 तक	
2 शुक्रवार	सदर बजार	शाम 7 से 9 तक	
3 शुक्रवार	विवेक विहार	शाम 8 से 9 तक	

हर सोमवार विस्वासि परिवारों से मिलना शाम 7 से 9 तक

हर महिने आखिरी दिन सम्पूर्ण रात्री प्रार्थना - वसंत गाँव